पाठ
23

राजीव गाँधी

(भारत में दूरसंचार क्रांति के अग्रदूत)

- डॉ विद्यावती चन्द्राकर

आज लाखों भारतीय स्व. राजीव गाँधी जी को एक देशभक्त, शहीद और देश का एक कर्त्तव्यनिष्ठ बेटा मानते हैं, जिन्होंने अपने केवल 5 वर्षों के प्रधानमंत्रित्व काल में समय की लहरों से कभी न मिटने वाले अमिट उपलब्धियों से गढ़ी गौरवशाली तकनीक संपन्न आधुनिक भारत का स्वप्न देखा और इस ओर देश को अग्रसर किया।

नाना पं. जवाहरलाल नेहरू, माता श्रीमती इंदिरा गाँधी (पूर्व प्रधानमंत्री) तथा पिता श्री फिरोज गाँधी (पूर्व सांसद) के घर में जन्म लेने के बावजूद भी राजीव जी की राजनीति में कोई विशेष रूचि नहीं थी। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा देहरादून से प्राप्त कर उच्च शिक्षा इंग्लैंड में पूरी की। राजीव जी का विवाह सन् 1968 में एंटोनियो माइनो से हुआ जो उस समय इटली की नागरिक थीं। विवाह उपरांत एंटोनियो माइनो ने अपना नाम बदलकर सोनिया गाँधी कर लिया। राजीव जी के दो बच्चे हैं–राहुल एवं प्रियंका।

राजीव गाँधी जी एक एयरलाइन्स में पायलट की नौकरी करते थे। सन् 1980 में अपने छोटे भाई संजय गाँधी जी की एक हवाई दुर्घटना में असामयिक मृत्यु के बाद माता इंदिरा जी को सहयोग देने के लिए उन्होंने सन् 1981 में राजनीति में प्रवेश किया था। राजीव जी ने अमेठी से लोकसभा का चुनाव जीतकर अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की। 31 अक्टूबर 1984 को अपने ही अंगरक्षकों द्वारा माता श्रीमती इंदिरा गाँधी जी (तत्कालीन प्रधानमंत्री) की हत्या किए जाने के बाद राजीव जी को उसी दिन प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई गई और उन्हें कुछ दिन बाद कांग्रेस (इ) पार्टी का नेता चुन लिया गया। राजीव गाँधी पूर्व से ही लोकसभा के निर्वाचित सदस्य थे, फिर भी राजनीतिक शुचिता का परिचय देते हुए, उन्होंने पुनः लोकसभा का चुनाव समय पूर्व करवाए ताकि कोई यह ऊँगली न उठा सके कि जनता ने इंदिरा जी को देखकर कांग्रेस को बहुमत दिया था, राजीव को नहीं। राजीव गाँधी के नेतृत्व में भारत के लोकतंत्र के इतिहास में कांग्रेस ने 542 में से 411 सीटें जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

श्री राजीव गाँधी गंभीर स्वभाव वाले व्यक्ति थे। उनकी रूचि छात्र जीवन से ही विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में थी। उनकी सोच आधुनिक थी। उनका मानना था कि विज्ञान और तकनीक के सहयोग से ही उद्योगों का समुचित विकास हो सकता है। अपनी इसी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए उन्होंने कंप्यूटर को आमजन तक पहुँचाने के लिए विशेष पहल कर इक्कीसवीं सदी के भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सुदृढ़ किया। आज पूरे देश में जो कंम्प्यूटरीकृत व्यवस्था देखने को मिल रही है, इसमें राजीव गाँधी जी का महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय योगदान रहा है।

भारत में दूरसंचार क्रांति के अग्रदूत राजीव गांधी ने स्न 1984 में Centre for Development of Telematics (C-DOT) की स्थापना कर भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। फलस्वरूप शहर से लेकर गाँव तक दूरसंचार का जाल (1986) बिछना प्रारंभ हो गया और गाँव–शहर, देश–दुनिया सब आपस में जुड़ने लगे।

शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को संबल प्रदान करने हेतु राजीव गाँधी जी ने सन् 1986 में शिक्षा विभाग के लिए नई शिक्षा नीति (NEP) का प्रारूप तैयार कर उसे क्रियान्वित किया।

राजीव गांधी ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में सन् 1989 में संविधान में 61वाँ संशोधन कर मताधिकार की उम्र सीमा 21 वर्ष को कम करके 18 वर्ष कराया। इससे करोड़ों युवा जो 18 वर्ष के थे, उन्हें चुनावों में मत देने का अधिकार प्राप्त हो गया और वे विभिन्न चुनावों में अपने–अपने मतानुसार जनप्रतिनिधियों को चुनने के लिए समर्थ हो गए। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में महिलाओं को 33 आरक्षण दिलवाने का काम राजीव गाँधी जी द्वारा किया गया।

उनका मानना था कि सत्ता के विकेंद्रीकरण के लिए पंचायती राज की व्यवस्था को सबल व समर्थ बनाकर ही निचले स्तर तक लोकतंत्र को पहुँचाया जा सकता है, अतएव पंचायती राज की मजबूती के लिए सन् 1991–92 में संविधान में 73वाँ संशोधन कर पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त किया। फलस्वरूप 24 अप्रैल 1993 को (उनके मरणोपरांत) पूरे भारत में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू हुई।

21 मई 1991 में राजीव गाँधी जी की हत्या हो गई परंतु आज भी राजीव गाँधी जी को भारत में दूरसंचार क्रांति के अग्रदूत के रूप में आदरपूर्वक स्मरण किया जाता है।

अभ्यास

पाठ से

एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

1. राजीव जी प्रधानमंत्री बनने से पूर्व कहाँ नौकरी करते थे?
2. राजीव जी की हत्या कब हुई?
3. देश राजीव जी को किस रूप में स्मरण करता है?
4. एंटोनियो माइनो कौन थी तथा एंटोनियो माइनो का परिवर्तित नाम क्या है?
5. महिलाओं के हित में श्री राजीव गाँधी ने क्या कार्य किए?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

1. किन परिस्थितियों में श्री राजीव गाँधी को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलायी गई?
2. प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में श्री राजीव जी के योगदान का वर्णन कीजिए।
3. 61वाँ संविधान संशोधन एवं 73वाँ संविधान संशोधन किस बारे में था?
4. राजनीतिक शुचिता का परिचय देने के लिए राजीव गाँधी जी ने क्या किया?
5. राजीव गाँधी जी ने पंचायती राज व्यवस्था के सशक्तिकरण के लिए क्या किया?
6. विज्ञान और तकनीक के सहयोग से ही उद्योगों का समुचित विकास हो सकता है? इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं? लिखिए।
7. स्व. राजीव गाँधी जी का पारिवारिक परिचय लिखिए।

●●●